



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 152]

No. 152]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 20, 2003/ज्येष्ठ 30, 1925
NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 20, 2003/JYAISTHA 30, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 जून, 2003

अंतिम निष्कर्ष

विषय:-चीन जनवादी गणराज्य से स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के आयात पर लगाये गये ,
पाटनरोधी शुल्क के संबंध में मध्यावधि समीक्षा का अंतिम निष्कर्ष ।

सं. 18/1/2000-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंधोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 और सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए:-

क. प्रक्रिया

1. निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया:-

- (i) नामित प्राधिकारी (जिन्हें इनके बाद प्राधिकारी कहा गया है) ने दिनांक 25 जून 2002 की अधिसूचना संख्या 18/1/2000-डीजीएडी द्वारा एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया जिसमें उन्होंने चीन जनवादी गणराज्य (जिन्हें बाद में संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के आयातों पर अनुशंसित निश्चित पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा शुरू करने की सूचना दी ।

- (ii) दिनांक 15.6.2001 की अधिसूचना सं० 18/1/2000-डीजीएडी द्वारा प्राधिकारी द्वारा की गई जांचों को पिछली जांच के रूप में संबोधित किया गया है ।
- (iii) कस्टम टैरिफ (संशोधन) एक्ट 1995 और इसके तहत बनाए गए नियमों में प्राधिकारी के लिए यह अपेक्षित होता है कि वे पाटन शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की समय-समय पर समीक्षा करें । मैसर्स तरावनकोर कैमिकल और मैन्युफैक्चरर कम्पनी (टीसीएम), तमिलनाडू, जो कि देश में स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के उत्पादक हैं और पिछली जांच में याचिकाकर्ता हैं, ने माननीय सी ई जी ए टी को दानेदार रूप में वाणिज्य उत्पादन शुरू करने के लिए अपने समर्थता के बारे में यह निवेदन किया कि दानेदार रूप पर पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण से वे प्रभावित नहीं होंगे । घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदनों को नोट करते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विचार किया कि चीन जनवादी गणराज्य से स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा 1975 में यथासंघोधित कस्टम टैरिफ एक्ट 1975 के तहत इस चरण में उचित होगी । तदनुसार, प्राधिकारी ने दिनांक 25 जून 2002 की अधिसूचना सं० 18/1/2000-डीजीएडी द्वारा चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ निर्यातित स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के सभी आयातों के प्रति मध्यावधि समीक्षा शुरू की ।
- (iv) कस्टम टैरिफ एक्ट 1975 की अनुसूची-I के अध्याय 28 (कस्टम उपशीर्ष सं० 2886.92) के तहत वर्गीकृत स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के चीन जनवादी गणराज्य से आयातों के बारे में पाटनरोधी शुल्क की अल्पावधि समीक्षा को शुरू करते हुए दिनांक 25 जून 2002 को सार्वजनिक नोटिस, भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित किया गया ।
- (v) प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों और उद्योग संघों (जिनका विवरण पिछली जांच में घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध करवाया गया था) को इस सार्वजनिक नोटिस की एक प्रति भेजी और उन्हें नियम 6(4) के अनुसार लिखित में अपने विचार देने का अवसर दिया ।
- (vi) प्राधिकारी ने भारत में स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के ज्ञात सभी आयातकों और उपभोक्ताओं (जिनका ब्यौरा पिछले विवरण में घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध करवाया गया था) को सार्वजनिक नोटिस की प्रति भेजी और उन्हें पत्र के जारी होने के चालीस दिनों के भीतर अपने विचार ज्ञात करवाने का अवसर दिया गया ।

- (vii) केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) और वाणिज्य आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एण्ड एस), कोलकाता से अनुरोध किया गया था कि वे समीक्षा अवधि के दौरान भारत में स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के आयातों का विवरण तैयार करें।
- (viii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश में स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के निम्नलिखित ज्ञात विनिर्माताओं/निर्यातकों को एक प्रश्नावली भेजी।
- (ix) नई दिल्ली में चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार समीक्षा शुरू किए जाने के बारे में सूचित किया गया था और उनसे यह भी अनुरोध किया गया कि वह अपने देश में निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली को भरकर भेजें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली का एक प्रति ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की एक सूची के साथ-साथ दूतावास को भी भेजी गई थी। तथापि, किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने कोई भी प्रत्युत्तर दायर नहीं किया।
- (x) भारत में स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के ज्ञात आयातकों और अथवा उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी और उनसे नियम 6(4) के अनुसार उसमें आवश्यक सूचना देने के लिए कहा था।
- (xi) आवश्यक सूचना प्राप्त करने के लिए एक प्रश्नावली मैसर्स टी सी एम लिमिटेड (मौजूदा मामले में घरेलू उद्योग) को भेजी गई थी। तथापि, मैसर्स टी सी एम लिमिटेड, नियमों के तहत अपेक्षित तरीके और पद्धति से अपना प्रतिउत्तर दायर करने में असफल रहा।
- (xii) मौखिक सुनवाई के लिए 9 अगस्त 2002 को प्राधिकारी ने एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जिसमें विभिन्न हितबद्ध पक्षों ने भाग लिया। नियम 6(6) के अनुसार उन पक्षों से जिन्होंने इस सार्वजनिक सुनवाई में भाग लिया, अनुरोध किया गया कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित रूप में दें। उनसे प्राप्त लिखित विचारों पर प्राधिकारी द्वारा उचित रूप से विचार किया गया है।
- (xiii) 1 अप्रैल 2001 से 31 मार्च 2002 के लिए जाँच की गई थी।

- (xiv) उपर्युक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार को सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षों को बताया गया और उन पर प्राप्त टिप्पणियों को इन निष्कर्षों में उचित रूप से विचार किया ।

ख. विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचार

2. चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास के विचार

चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास ने कोई प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया ।

3. निर्यातकों द्वारा व्यक्त गए विचार:

मैसर्स चाइना नेशनल कैमिकल कनस्ट्रक्शन कार्पोरेशन

लोक सुनवाई के नोटिस के प्रति, दिए गए उत्तर में मैसर्स चाइना नेशनल कैमिकल कनस्ट्रक्शन कार्पोरेशन ने सूचित किया कि उनके पास ऐसा कोई रिकार्ड नहीं है कि उन्होंने भारत को स्ट्रान्शियम कार्बोनेट का निर्यात किया हो ।

संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु कि किसी भी अन्य निर्यातक ने पाटनरोधी शुल्क की रामीक्षा के प्रति कोई प्रति उत्तर दायर नहीं किया ।

4. आयतकों द्वारा व्यक्त किए गए विचार:

मैसर्स विडियोकोन नर्मदा ग्लास

आयतक ने प्रस्तुत किया है कि उनकी अपील सं० सी/467/2001-एडी पहले ही माननीय सी ई जी एटी, नई दिल्ली की बैच ए के समक्ष लंबित है, जिसमें वे चीन जनवादी गणराज्य से स्ट्रान्शियम कार्बोनेट पर पाटन रोधी शुल्क को लगाने/जारी रखने के बारे में अपनी मौखिक सुनवाई पहले ही पूरी कर चुके हैं । उनके दस्तावेज पहले ही माननीय सी ई जी ए टी के समक्ष और आपके कार्यालय के पास है । हम उनपर भरोसा करते हैं । तथापि, आयतक द्वारा निधारित तरीके और पद्धति के कोई प्रत्युत्तर दायर नहीं किया गया ।

5. घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त किए गए विचार:

- क. देश में पहले स्ट्रान्शियम कार्बोनेट का कोई उत्पादक नहीं था । टी सी एम ने आन्तरिक अनुसंधान ओर विकास के माध्यम से इस उत्पाद को विकसित किया है । यद्यपि, कम्पनी ने भारत में चूर्ण रूप में इस उत्पाद का सफलता पूर्वक उत्पादन किया है और उपभोक्ताओं को इसकी आपूर्ति की है, तथापि कम्पनी दानेदार रूप में वाणिज्यिक मात्रा में स्ट्रान्शियम कार्बोनेट का उत्पादन करने में समर्थ नहीं हो पाई है ।
- ख. हमने दानेदार रूप में स्ट्रान्शियम कार्बोनेट का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं से इस आशय से सम्पर्क किया है कि उन्हें चूर्ण और दानेदार रूप में स्ट्रान्शियम कार्बोनेट की सप्लाई की जाए । तथापि, ये उपभोक्ता दोनों रूप को उपयोग में लाने के इच्छुक नहीं हैं ।
- ग. वाणिज्यिक मात्राओं में दानेदार रूप में इस उत्पाद का उत्पादन करने के लिये हम अपने प्रयत्न जारी रखे हुए हैं ।
- घ. कम्पनी निकट भविष्य में वाणिज्यिक रूप में इस उत्पाद का उत्पादन करने में शायद समर्थ नहीं हो पायेगी ।
- ङ. दानेदार रूप में पाटनरोधी शुल्क को तब तक आस्थगित रखा जा सकता है जबतक कम्पनी दानेदार रूप पर इस उत्पाद का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू नहीं कर देती ।
- च. अतः टी0सी0एम0 उस समय तक दानेदार रूप में स्ट्रान्शियम कार्बोनेट को बाहर रखने का विरोध नहीं करती जबतक कम्पनी वाणिज्यिक मात्राओं में इस उत्पाद का उत्पादन शुरू नहीं कर देती ।
- छ. हम चूर्ण रूप का वाणिज्यिक मात्राओं का उत्पादन करते रहे हैं और इस उत्पाद के इस रूप पर पाटनरोधी शुल्क लगा रहना अपेक्षित है ।

ख. विचाराधीन उत्पाद, समान प्रकार की वस्तु और घरेलू उद्योग:

6. विचाराधीन उत्पाद

चीन जनवादी गणराज्य मूल की अथवा वहां से निर्यातित मौजूदा समीक्षा जांच में शामिल उत्पाद स्ट्रान्शियम कार्बोनेट है (इसके बाद से संबद्ध वस्तु कहा गया है)। मौजूदा समीक्षा जांच में स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के सभी रूप शामिल हैं।

स्ट्रान्शियम कार्बोनेट को कस्टम टैरिफ एक्ट 1975 के अध्याय 28 के तहत कस्टम उपशीर्ष संख्या 2836.92 के तहत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक हैं और वे मौजूदा जांच के कार्यक्षेत्र पर किसी प्रकार बाध्यकारी नहीं है।

7. समान प्रकार की वस्तु:

पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट है "समान वस्तु" का तात्पर्य किसी ऐसी वस्तु से है जो जांचाधीन उत्पाद से हर प्रकार समानरूप अथवा समान है अथवा ऐसी किसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु से है जिसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से अत्यधिक मिलती-जुलती हैं।

यद्यपि, घरेलू उद्योग ने माननीय सीईजीएटी के समक्ष अपने प्रतिवेदन में यह व्यक्त किया है कि स्ट्रान्शियम कार्बोनेट का दानेदार रूप का उनके द्वारा उत्पादन नहीं किया जाता है और इसका आयात उनके उत्पाद को क्षति नहीं पहुंचा रहा है तथापि वे यह साबित नहीं कर सके कि स्ट्रान्शियम कार्बोनेट का दानेदार रूप और स्ट्रान्शियम का चूर्ण रूप दोनों नियम 2 घ के तहत समान प्रकार की वस्तु नहीं है। तदनुसार प्राधिकारी मानते हैं कि उनके द्वारा उत्पादित और बेचा जा रहा स्ट्रान्शियम कार्बोनेट और सम्बद्ध देश से आयातित स्ट्रान्शियम कार्बोनेट को भारत में ग्राहक अदल बदल कर प्रयोग में ला रहे हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित स्ट्रान्शियम कार्बोनेट को नियम 2(घ) अर्थ के तहत चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातित उत्पाद के प्रति समान प्रकार की वस्तु माना गया है।

8. घरेलू उद्योग:

पाटनरोधी नियमों के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग का तात्पर्य समग्र रूप में वे घरेलू उत्पादक हैं जो समान वस्तु के विनिर्माण अथवा इससे संबद्ध किसी कार्यकलाप में लगे हुए हों अथवा वे लोग जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन का अंश उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन में प्रमुख हो, सिवाए उस दशा के जब इस प्रकार के उत्पादक, पाटी गई कथित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हो अथवा स्वयं ही उस वस्तु के आयातक हों, ऐसी दशा में इस प्रकार के उत्पादकों को घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं माना जाएगा।

घरेलू उद्योग की ऊपर दी गई परिभाषा को विश्व व्यापार संगठन के पाटनरोधी समझौते के अनुच्छेद 5 द्वारा और स्पष्ट किया जाता है, जो निम्न प्रकार से है:-

" आवेदन, घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उनकी ओर किया गया माना जाएगा यदि यह उन घरेलू उत्पादकों द्वारा समर्थित होता है जिनका सामूहिक उत्पादन उन घरेलू उद्योग के उस भाग द्वारा जोकि आवेदन के प्रति या तो समर्थन व्यक्त करते हैं अथवा इसका विरोध करते हैं ; उत्पादित समान प्रकार की वस्तु के कुल उत्पादन का 50% से अधिक होता है।

प्राधिकारी ने दिनांक 15-6-2001 के अंतिम निष्कर्षों में मैसर्स टीसीएम, लिमिटेड को देश में संबद्ध वस्तु के एकमात्र उत्पादक के रूप में माना है। इस समीक्षा को शुरू करने के पश्चात किसी भी हितबद्ध पक्ष ने घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में कोई मामला नहीं उठाया। तदनुसार अधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी नियमों के प्रावधानों के अनुसार मैसर्स टीसीएम लिमिटेड घरेलू उद्योग है।

विचाराधीन उत्पाद के संबंध में पिछली जांच में अधिसूचित अंतिम निष्कर्षों में घरेलू उद्योग और समान प्रकार की वस्तु में कोई बदलाव नहीं है।

ग. पाटन, सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य, पाटनमार्जन, पहुंच मूल्य आदि:

9. (i) प्राधिकारी ने खंड 9 (क) (1) ग के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के सभी ज्ञात निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली भेजी । तथापि, किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं भेजा । अतः प्राधिकारी मानते हैं कि संबंध देशों के निर्यातकों ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया । प्राधिकारी यह भी मानते हैं कि चीनी जनवादी गणराज्य में स्ट्रान्शियम कार्बोनेट का सामान्य मूल्य निर्धारित करने का प्राथमिक उत्तरदायित्व उन निर्यातकों/उत्पादकों पर है जो प्राधिकारी के साथ सहयोग करने में असफल रहे ।
- (ii) प्राधिकारी ने स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के ज्ञात आयातकों को भी आयातक प्रश्नावली भेजी । तथापि, किसी भी आयातक ने नियमों के तहत निर्धारित प्रकार और तरीके में प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं भेजा । तदनुसार, प्राधिकारी मानते हैं कि स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के आयातकों ने भी प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया और उन्होंने अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की ।
- (iii) मैसर्स टीसीएम अर्थात् घरेलू उद्योग को पत्र जारी किया गया जिसमें प्रश्नावली के प्रति उनका प्रत्युत्तर मांगा गया था । घरेलू उद्योग ने उनको भेजी गई प्रश्नावली के प्रति कोई प्रत्युत्तर दायर नहीं किया । मैसर्स टीसीएम को दिनांक 21-02-03, 24-04-03, 19-05-03 और 29-05-03 के पत्रों द्वारा भी यह अनुरोध किया गया कि वे अपेक्षित सूचना प्रस्तुत करें । तथापि, घरेलू उद्योग द्वारा इन पत्रों के प्रति ब्यौरा देते हुए, जैसाकि चाहा गया था, कोई प्रत्युत्तर दायर नहीं किया गया ।
- (iv) इस प्रकार प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली की प्रति किसी भी हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रत्युत्तर नहीं भेजा गया । तदनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी, पाटनरोधी शुल्क की मौजूदा समीक्षा में सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन को निर्धारित नहीं कर पाये ।

घ. क्षति और संबद्धात्मक कारण:

घरेलू उद्योग से किसी भी प्रत्युत्तर की अनुपस्थिति में प्राधिकारी इस बात की जांच नहीं कर पाते हैं कि क्या (क) स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के दानेदार रूप के

आयात से घरेलू उद्योग को कोई भौतिक क्षति हुई है ; (ख) घरेलू उद्योग, चूर्ण रुप आसानी से उत्पादित करने और उसकी बिक्री करने में समर्थ हो पाया था ; (ग) दानेदार रुप का आयात उन उपभोक्ताओं द्वारा किया गया था अथवा किया जा सकता था जो चूर्ण रुप को उपयोग में ला सकते हैं ; (घ) उत्पाद के उस दानेदार रुप, जो निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचार से एक चूर्ण रुप के लिये एक समान प्रकार की वस्तु है, पर पाटनरोधी शुल्क के प्रतिसंहरण से उस घरेलू उद्योग को भौतिक क्षति होगी जो स्वीकार्य रुप में दानेदार रुप में वाणिज्यिक मात्राओं का उत्पादन नहीं कर रहा है । प्राधिकारी मानते हैं कि दानेदार रुप और चूर्ण रुप उस सीमा तक समान प्रकार की वस्तु है जहां तक ये तकनीकी और वाणिज्यिक तौर पर चूर्ण रुप को प्रतिस्थापित कर सकती हों । इस प्रकार प्राधिकारी का मत है कि घरेलू उद्योग, समान प्रकार की वस्तु का वाणिज्यिक मात्राओं में उत्पादन करने में समर्थ नहीं है । यह बात इस तथ्य से सिद्ध होती है कि दोनों रुपों पर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के बावजूद घरेलू उद्योग दानेदार रुप का उत्पादन करने में समर्थ नहीं हो पाया है, न ही घरेलू उद्योग उन उत्पादकों को चूर्ण रुप की बिक्री कर पाया जिन्हें दानेदार रुप की आवश्यकता होती है इसके विपरीत घरेलू उद्योग मानता है कि जिन्हें दानेदार रुप की आवश्यकता होती है वे चूर्ण रुप का उपयोग नहीं कर सकते । इसके अलावा यह स्पष्ट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने यह सिद्ध करने के लिये कोई सूचना नहीं दी कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति हुई है । तदनुसार प्राधिकारी मानते हैं कि भारत में घरेलू उद्योग पर संबद्ध देश से स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के आयातों से कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। तदनुसार, प्राधिकारी यह स्थापित नहीं कर पाये कि संबद्ध देश से जांचाधीन अवधि के दौरान पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को कोई क्षति हुई है ।

इन्हें कारणों की वजह से प्राधिकारी घरेलू उद्योग के लिये क्षति रहित मूल्य निर्धारित नहीं कर पाये ।

ड. अंतिम निष्कर्ष:

10. उपर्युक्त से प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि घरेलू उद्योग सहित किसी भी हितबद्ध पक्षों से किसी भी प्रत्युत्तर की अनुपस्थिति में महत्वपूर्ण मापदंडों अर्थात् पाटन के तथ्य, भौतिक क्षति और दोनों के बीच कोई संबद्धात्मक कारण स्थापित नहीं किया जा सकता । इस बात को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का मत है कि संबद्ध देश से स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी

शुल्क को समाप्त करने से घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना नहीं है। अतः प्राधिकारी चीन जनवादी गणराज्य से स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के आयात पर पाटनरोधी शुल्क को हटाने की सिफारिश करते हैं।

11. इस प्रकार उपर्युक्त पर विचार करने के उपरान्त प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि:-

- संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित स्ट्रान्शियम कार्बोनेट से जांचाधीन अवधि के दौरान भारत के घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है
- जांचाधीन अवधि के दौरान संबद्ध देश से स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के आयातों से घरेलू उद्योग को कोई भौतिक क्षति नहीं हुई है।
- संबद्ध देश से स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को हटाने से घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना नहीं है।

12. अतः प्राधिकारी सिफारिश करते हैं कि कस्टम टेरिफ एक्ट, 1975 के अनुसूची 1 के अध्याय 28 (कस्टम उपशीर्ष संख्या 2836.92) के तहत आने वाले चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित स्ट्रान्शियम कार्बोनेट के आयातों पर लगाये गये पाटनरोधी शुल्क को हटा दिया जाए।

13. उपर्युक्त नियम के अनुसार इस आदेश की प्रति कोई अपील, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष की जा सकेगी।

एल. बी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 20th June, 2003

FINAL FINDINGS**Subject : Mid-Term Review of Anti-Dumping Duty concerning imports of Strontium Carbonate from People's Republic of China—Final Findings.**

No. 18/1/2000-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The Procedure described below has been followed:
 - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) issued a public notice vide Notification No. 18/1/2000-DGAD dated the 25th June, 2002, initiating mid-term review of definitive Anti-Dumping Duty recommended on imports of Strontium Carbonate originating in or exported from People's Republic of China (hereinafter also referred to as the subject country).
 - ii) The investigations concluded by the Authority vide Notification No. 18/1/2000-DGAD dated the 15-6-2001 have been referred to as "the previous investigation".
 - iii) The Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and the Rules made there under require the Authority to review from time to time, the need for continuance of Anti Dumping Duty. M/s Travancore Chemical and Mfg., Co., (TCM), Tamil Nadu, the producer of the Strontium Carbonate in the country and the petitioner in the earlier investigation have made submissions to the Hon'ble CEGAT regarding their inability to undertake commercial production in granular form and have indicated that revoking anti dumping duty on the granular form would not affect them. The Designated Authority noting the submissions made by the Domestic Industry considered that the review of anti dumping duty on imports of Strontium Carbonate from China PR would be appropriate at this stage under the provisions of the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1975. Accordingly the Designated Authority initiated a Mid

Term Review of Anti Dumping Duty against all imports of Strontium Carbonate originating in or exported from People's Republic of China vide Notification No. 18/1/2000-DGAD dated 25th June, 2002.

- iv) The Public notice dated 25th June, 2002 was published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating mid-term review of Anti-Dumping Duty concerning imports from China PR of Strontium Carbonate from, classified under Chapter 28 (Customs, sub-heading No.2836.92) of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975.
- v) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known Exporters and industry Associations (whose details were made available by the Domestic Industry in the previous investigation) and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(4).
- vi) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers and consumers of Strontium Carbonate in India (whose details were made available by the Domestic Industry in the previous investigation) and provided them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of issue of letter.
- vii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) and Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Calcutta to arrange details of imports of Strontium Carbonate in India during the period of review.
- viii) The Authority sent a questionnaire, to the following known manufacturers/ exporters of Strontium Carbonate in the subject country, in accordance with the Rule 6(4):-
- ix) The Embassy of People's Republic of China in New Delhi was informed about the initiation of the review in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy, alongwith a list of known exporters/producers. None of the exporters/producers, however, filed any response.
- x) Questionnaire was sent to the known importers and / or consumers of Strontium Carbonate in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4).
- xi) A questionnaire was sent to M/s TCM, Ltd. (the domestic Industry in the instant case) calling for necessary information. M/s TCM, Ltd., however, failed to file its response in form and manner required under the Rules.
- xii) The Authority held a public hearing on 9th August, 2002 to hear the views orally, which was attended by various interested parties. In accordance with Rule 6 (6) the parties who attended the public hearing were requested to file

written submissions of the views expressed orally. Written submissions received from them have been duly considered by the Authority..

- xiii) Investigation was carried out for the period 1st April, 2001 to 31st March, 2002
- xiv) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to all known interested parties on 10th June 2003. None of the interested parties responded to the Disclosure Statement.

B VIEWS EXPRESSED BY VARIOUS INTERESTED PARTIES

2. VIEWS OF EMBASSY OF THE PEOPLE' REPUBLIC OF CHINA:

Embassy of the People' Republic of China have not submitted any response.

3. VIEWS EXPRESSED BY EXPORTERS:

M/s CHINA NATIONAL CHEMICAL CONSTRUCTION CORPORATION

M/S China National Chemical Construction Corporation in response to the notice of Public Hearing has informed that they do not have any records of having exported Strontium Carbonate to India.

None other exporter of the subject goods from subject country have filed any response to the review of Anti Dumping Duty.

4. VIEWS EXPRESSED BY IMPORTERS:

M/s VIDEOCON NARMADA GLASS

The importer has submitted that their Appeal No. C/467/2001-AD is already pending before Bench A of the Hon'ble CEGAT, New Delhi, wherein they have already completed their oral hearings with regard to imposition of / continuation of Anti Dumping Duty on Strontium Carbonate from China PR. Their documents are already on record before Hon'ble CEGAT and your office. We rely on the same. No response was however filed by the importer in the form and manner prescribed.

5. VIEWS EXPRESSED BY DOMESTIC INDUSTRY:

- a. There is no producer of Strontium Carbonate in the country earlier. TCM has developed this product through internal research and development. While the company successfully produced and supplied this product in powder form to the consumers in India, the company has not been able to produce commercial volumes of Strontium Carbonate in granular form.
- b. We have approached the consumers of Strontium Carbonate granular form with an intention to supply them Strontium Carbonate in powder and

granular form. However these consumers are not willing to use both the forms.

- c. We are continuing with our efforts to produce this product in granular form in commercial volumes.
- d. The company may not be able to produce this product in commercial form in the near future.
- e. Till such time the company undertakes commercial production of this product in granular form anti dumping duty on granular form can be suspended.
- f. TCM, therefore, does not oppose exclusion of Strontium Carbonate in granular form till the company starts producing the product in commercial volumes.
- g. We have been producing commercial volumes of powder form and anti dumping duty is required to be continued on this form of the product.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION, LIKE ARTICLES AND DOMESTIC INDUSTRY:

6. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

The product involved in the present review investigation is Strontium Carbonate (also referred as subject goods hereinafter) originating in or exported from China PR. Present review investigation covers all forms of Strontium Carbonate.

Strontium Carbonate is classified under Customs sub heading No. 2836.92 under Chapter 28 of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is however indicative only and is no way binding on the scope of the present investigation

7. LIKE ARTICLE:

Rule 2(d) of the Anti-Dumping Rules specifies that "Like Articles" means an Article which is identical or alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an Article, another article, having characteristics closely resembling those of the articles under examination.

Although the Domestic Industry in its representation before the Hon'ble CEGAT has submitted that the granular form of Strontium Carbonate is not produced by them and imports of the same is not causing injury to their product they could not substantiate that both granular form of Strontium Carbonate and Powder form of Strontium Carbonate are not like articles within Rule 2(d). Accordingly the Authority holds that the Strontium Carbonate

produced and sold by them and those imported from the subject Country are being used interchangeably by the customers in India.

Strontium Carbonate produced by the domestic industry has been treated as Like Article to the product exported from China PR, within the meaning of Rule 2(d).

8 DOMESTIC INDUSTRY:

As per Rule 2(b) of the Anti Dumping Rules, "domestic industry means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers shall be deemed not to form part of domestic industry."

The definition of domestic industry given above is further clarified by Rule 5 of Rules which reads as follows:-

- "----- the application shall be deemed to have been made by or on behalf of the domestic industry, if it is supported by those domestic producers whose collective output constitute more than fifty percent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition as the case may be to the application.

The Authority in the Final Findings dated 15.6.2001 had held M/s TCM Ltd., as the sole producer of the subject goods in the country. After the initiation of this review none of the interested parties have raised any issue with regard to the standing of the Domestic Industry. Accordingly the Authority holds that M/s TCM Ltd., constitutes the Domestic Industry as per the provisions of the Anti Dumping Rules.

The Final Findings notified in the previous investigation with regard to the product under consideration, domestic industry and Like Articles remain unchanged.

C. DUMPING, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE, DUMPING MARGIN LANDED VALUE etc:

9. (i) The Authority sent exporters questionnaire to known exporters of Strontium Carbonate for the purpose of determination of Normal Value in accordance with Section 9A(1)c. However, none of the exporters responded to the Authority. The Authority, therefore, holds that the exporters from the subject countries have not co-operated with the Authority as envisaged under the Rules. The Authority also holds that the primary responsibility to establish

Normal Value of Strontium Carbonate in People' Republic of China rests with the exporters / producers, who have failed to co-operate with the Authority.

- (ii) The Authority also sent importers questionnaire to known Importers of Strontium Carbonate. However, none of the importers responded to the Authority in the form and manner prescribed under the Rules. Accordingly, the Authority holds that importers of Strontium Carbonate have also not co-operated with the Authority and have not furnished the required information.
- (iii) Letter was issued to M/s TCM, the Domestic Industry, seeking response to the questionnaire. The Domestic Industry did not file any response to the questionnaire sent to them. M/s TCM was also requested vide letters dated 21.2.03, 24.4.03, and 19.5.03 and 29.5.03 to furnish the required information. However, no response giving details as sought, was ever filed by the Domestic Industry in response to these letters..
- (iv) Thus, none of the interested parties responded to the questionnaire forwarded by the Authority. Accordingly the Designated Authority could not determine the Normal Value, Export Price and the Dumping Margin in the present review of the Anti Dumping Duty.

F. INJURY AND CAUSAL LINK:

In the absence of any response from the Domestic Industry, the Authority is not able to examine whether (a) imports of granular form of strontium carbonate have caused material injury to the domestic industry; (b) domestic industry was able to produce and sell powder form comfortably; (c) imports of granular form were made or could be made by those consumers who can use powder form; (d) revocation of anti dumping duty on granular form of the product, which in the opinion of the Designated Authority is a like article to the powder form, would cause material injury to the domestic industry which admittedly is not producing commercial volumes of granular form. At the same time, the Authority holds that granular form and powder form are like articles in as much as granular form can technically and commercially substitute powder form. Such being the case, Authority holds that the domestic industry is not able to produce the like article in commercial volumes. This is further substantiated by the fact that in spite of imposition of anti dumping duty on both the forms and the same when being in force, the domestic industry has not been able to produce granular form. Nor has the domestic industry succeeded in selling powder form to those producers who require granular form. On the contrary, the domestic industry concedes that those who require granular form can not use powder form. Further it has been clarified that the Domestic Industry has not furnished any information to prove that injury to the Domestic Industry is caused by the imports of subject goods from the subject country. Accordingly the Authority holds that there is no impact of imports of Strontium Carbonate from subject country on the Domestic Industry in India. The Authority accordingly could not establish any injury to the Domestic Industry by the imports, if any, during the period of investigation from the subject country.

For similar reasons, the Authority could not determine Non-Injurious Price for the Domestic Industry.

G. FINAL FINDINGS:

10. From the above, the Authority is led to the conclusion that in the absence of any response from any of the interested parties including the domestic industry, the critical parameters viz. the fact of dumping, material injury and the casual relationship between the two cannot be established. Keeping this in view, the Authority is of the opinion that cessation of existing Anti-Dumping Duty on imports of Strontium Carbonate from the subject country, is not likely to lead to continuation or recurrence of injury to the Domestic Industry. Hence, the Authority recommends to discontinue the anti dumping duty on the import of Strontium Carbonate from the People' Republic of China.
11. Thus, the Authority concludes, after considering the foregoing, that:
 - Strontium Carbonate originating in or exported from the subject country has not caused any injury to the domestic industry of India during period of investigation.
 - The Domestic Industry has not suffered any material injury from imports of Strontium Carbonate from the subject country during the period of investigation.
 - Cessation of existing Anti-Dumping Duty on imports of Strontium Carbonate from the subject country is not likely to lead to continuation or recurrence of injury to the Domestic Industry.
12. The Authority, therefore, recommends that the Anti-Dumping Duty imposed on imports of Strontium Carbonate originating in or exported from People' Republic of China, falling under Chapter 28 (Customs sub-heading No.2836.92) of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 be discontinued.
13. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority